दिनांकः 07 अक्टूबर, 2023

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ

प्रेस विज्ञप्ति

''वन्य प्राणी सप्ताह (01–07 अक्टूबर) 2023'' का राज्य स्तरीय समारोह का समापन मुख्य अतिथि श्री सुधीर कुमार शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उ0प्र0 द्वारा नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ के बारादरी लॉन में किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री अंजनी कुमार आचार्य, प्रधान मुख्य प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तर प्रदेश, श्री सुनील दुबे, प्रभारी प्रभारी मुख्य वन संरक्षक, कार्ययोजना उ0प्र0 लखनऊ, श्री ओ0पी0 शर्मा, सदस्य, जैव विविधता परिषद, जम्मू और कश्मीर, श्रीमती अदिति शर्मा, निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, डा0 उत्कर्ष शुक्ला, उप निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, श्री आर0के0 नेगी, क्षेत्रीय वन अधिकारी, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ के साथ–साथ वन विभाग एवं प्राणि उद्यान की अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

सर्वप्रथम श्रीमती अदिति शर्मा, निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ के नेतृत्व में मुख्य अतिथि के साथ अन्य अतिथियों द्वारा प्रवेश द्वार संख्या–2 पर लगे स्टॉलों का निरीक्षण किया गया।

निदेशक प्राणि उद्यान द्वारा समारोह में आये मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। निदेशक महोदया द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राणी उद्यान एवं वन्य प्राणी सप्ताह–2023 के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि आज तक 50 स्कूलों के लगभग 3000 छात्र/छात्राओं ने आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। उन्होंने अतिथियों को बताया कि स्क्रैप से तैयार किये गये बब्बर शेर के सम्मुख अनगिनत दर्शक सेल्फी ले रहें है और उन्हें बधाई भी दे रहे हैं।

मुख्य अतिथि महोदय द्वारा डा0 उत्कर्ष शुक्ला, उप निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान, लखनऊ द्वारा किए गए अविष्कार मैनुअल पोल सिरिंज का लोकार्पण किय गया। साथ ही ट्रंकुलाइजिंग गन एवं रग (गलीचा) को प्राणि उद्यान स्थिति वन्यजीव चिकित्सालय को समर्पित किया गया।

मुख्य अतिथि श्री सुधीर कुमार शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम पुरस्कृत स्कूली बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि वन्य प्राणी सप्ताह का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस के बीच वन्य प्राणियों के विषय में जागरूकता उत्पन्न करना है। वन विभाग भी वन्य जीवों का संरक्षण एवं उन्हें संरक्षित करने में लगा रहता है फिर भी हमारा प्रयास होता है कि हम इस कार्य को जन सामान्य से रूबरू करा पायें। जब हम जंगल में जाते हैं तो सोच कर जाते हैं कि हमें बाघ देखने को मिलेगा। यदि बाघ देखने को न मिल पाया तो वह अपनी यात्रा को असफल मानते हैं परन्तु हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि अन्य वन्यजीव भी हमारे जंगल की धरोहर हैं। यह सही है कि सभी वन्य जीवों में बाघ प्रजाति सबसे ऊपर है। स्कूली बच्चों के लिए प्राणी उद्यान एक पिकनिक स्थल नहीं वरन् एक शैक्षणिक स्थल है। प्राणी उद्यानों में हम वन्यजीवों को देख–समझ सकते हैं, उनके व्यवहार के बारे में जान सकते हैं। आज अधिकांश बच्चें ऐसे हैं जिन्हें वन्यजीवों, पेड़–पौधों और फलों आदि के बारे में पूर्ण जानकारी नहीं हैं। निश्चित रूप से भारत की संस्कृति बहुत ही समृद्ध संस्कृति है। जो भी वृक्ष हैं, वन्यजीव हैं और यह प्रकृति हमें प्रेरित करती है कि हम उन्हें संरक्षित करें। उन्होंने आवाह्न किया कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को वह सब कुछ दें तो हमें प्राप्त हुआ है। प्राणि उद्यान के उप निदेशक, डा0 उत्कर्ष शुक्ला द्वारा जो चिकित्सकीय उपकरण (मैनुअल पोल सिरिंज) का अविष्कार किया गया है और जिसके लिए मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया है, उसके लिए वन विभाग की तरफ से उन्हें हार्दिक बधाई। प्राणी उद्यान के कर्मचारियों की तारीफ करते हुए कहा कि जब कोई भी वन्यजीव अस्वस्थ होता है तो यह लोग 24 घण्टे बिना थके उस वन्यजीव के सेवा करते हैं, इसके लिए सभी कर्मचारी बघाई के पात्र हैं। उन्होंने वन्य प्राणी सप्ताह–2023 के सफल आयोजन के लिए प्राणि उद्यान की निदेशिका श्रीमती अदिति शर्मा को बधाई दी।

विशिष्ट अतिथि श्री अंजीन कुमार आचार्य, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उ0प्र0 ने अपने सम्बोधन में कहा कि वन्य प्राणियों की प्रेरणा को जागरूक करने के लिए आज हम सब यहाँ उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बताया गया कि स्क्रैप से तैयार बब्बर शेर को दर्शकों द्वारा असीमित प्यार दिया जा रहा है, इसके लिए प्राणि उद्यान की निदेशिका एवं उनकी टीम बधाई की पात्र हैं। पिछले एक सप्ताह में वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जो भी प्रयास किए गए हैं, उससे हमें भविष्य में आगे बढ़ने और वन्यजीवों का संरक्षण करने में काफी सहायता मिलेगी। सर्पों के लिए कार्य करने वाली पर्यावरणम् सोसाइटी द्वारा मंचित नुक्कड़ नाटक और रूबल जैन एवं अदिति द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम बहुत ही रोचक रहा। उन्होंने बताया कि राज्य पक्षी सारस पिछले एक वष में लगभग 4500 की बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी है। स्कूली बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी भविष्य के वाहक है। आप लोग प्राणी उद्यान में जो वन्यजीव देखते हैं, उनकी सेवा में जो कीपर लगे हैं, वह उनका पालन–पोषण अपने परिवार के सदस्य के तरह करते हैं। इसके लिए प्राणि उद्यान के कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। अन्त में उन्होंने सभी को वन्य प्राणी सप्ताह की बधाई दी।

वन्य प्राणी सप्ताह–2023 के समापन समारोह में पधारे जम्मू और कश्मीर के जैव विविधता परिषद के सदस्य श्री ओ0पी0 शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि वह तो थे पर्यटक के रूप में परन्तु उन्हें इतना सम्मान दिया जाएगा इसकी कल्पना नहीं थी। इसके लिए उन्होंने प्राणि उद्यान की निदेशिका को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म ग्रन्थों, शास्त्रों आदि में 84 लाख योनियां बताई गयी हैं, जिसमें इस पृथ्वी पाये जाने वाले हर जीव और पेड़–पौधें भी सम्मिलित हैं। हमें हैरानी होती है कि इतनी बड़े आंकड़े उन्होंने कैसे एकत्र किए होंगे। आज के वैज्ञानिक युग मे ंहम 18 लाख प्रजातियों तक ही पहुंच सके हैं। 84 लाख के आंकड़े तक पहुंचने में हमें कितना समय लगेगा यह कहा मुश्किल है। किसी भी वस्तु का दोहन आवश्यकता से अधिक नहीं करना चाहिए वरना सबसे अधिक परेशानियों का सामना हमें ही करना होगा। वनों को दोहन नही होना चाहिए और सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग हमें बन्द कर देना चाहिए। बंग्लादेश की राजधारी ढाका का नाम भी ढाक के पत्ते से पड़ा है क्यों कि ऐसी मान्यता है कि ढाक के पत्ते पर भोजन करना सोने के बर्तन में खाने जैसा हैं।

सर्पों के लिए कार्य करने वाली पर्यावरण्म संस्था द्वारा नुक्कड़ नाटक ''एक प्रयास, सर्प दंश से बचाव, सांप काटे तो अस्पताल ही इलाज, झाड़–फूंक पर न करें विश्वास'' का मंचन किया गया, जिसमें आदित्य तिवारी, देव्यानी सिंह, अभिषेक पाण्डेय, निशान्त द्विवेदी, अजहर, महबूब, इरशाद, अकरम, निशा, जॉन, देवाशीष एवं इशाक आदि कलाकारों ने प्रतिभाग किया। बाल कलाकार रूबल जैन एवं अदिति जायसवाल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

वन्य प्राणि सप्ताह–2023 के अवसर पर प्राणि उद्यान लखनऊ द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र–छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

मुख्य अतिथि द्वारा प्राणी उद्यान में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु श्री ब्रजेन्द्र मणि यादव, पशु चिकित्सक, प्राणि उद्यान, लखनऊ, श्री राम सनेही, कार्यवाहक प्रधान माली, प्राणि उद्यान लखनऊ, श्री मो0 अनीस, सुरक्षा प्रभारी/बालरेल चालक, प्राणि उद्यान, लखनऊ, श्री रोहित कुमार, कार्यवाहक, सुरक्षा प्रभारी, प्राणि उद्यान लखनऊ, श्री संदीप कुमार, दैनिक श्रमिक, प्राणि उद्यान लखनऊ आदि को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

निदेशक, प्राणि उद्यान द्वारा आये हुए सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अन्त में प्राणि उद्यान के उप निदेशक डा0 उत्कर्ष शुक्ला द्वारा आये हुए सभी अतिथियों, स्कूली बच्चों तथा पत्रकार बन्धुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

–ह0–
वी0के0 मिश्र
निदेशक
नवाब वाजिद अली शाह
प्राणि उद्यान, लखनऊ